

पाठ-10

नेता जी का चश्मा

प्रश्न - उत्तर

प्र०-1 सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे ?

उ०- सेनानी न होते हुए भी चश्मे वाले को लोग उसकी देशभक्ति और नेताजी सुभाष चंद्रबोस के प्रति विशेष सम्मान की भावना को देखकर कैप्टन कहते थे।

प्र०-2 हालदार साहब ने ड्राइवर को पहले चौराहे पर गाड़ी रोकने के लिए मना किया था लेकिन बाद में तुरंत रोकने को कहा

(क) हालदार साहब पहले मायूस क्यों हो गए थे ?

उ०- नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति पर चश्मा न देखकर हालदार साहब मायूस हो गए थे।

(ख) मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा क्या उम्मीद लगाया है ?



PAGE No. _____
मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा यह उम्मीद जगाता है कि अब भी देशवासियों में महान और वीर व्यक्तियों के प्रति श्रद्धा और देश के प्रति प्यार का भाव विद्यमान है।

(ग) हालदार साहब इतनी सी बात पर भावुक क्यों हो उठे?

उ० - नेताजी की मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा देखकर हालदार साहब यह सोचकर भावुक हो उठे कि इस देश के बड़े ही नहीं बच्चे भी देशभक्ति और वीरों के प्रति सम्मान रखते हैं।

प्र०-३ आशय स्पष्ट कीजिए

“बार-बार सोचते- ----- मैं कै दूढती हूँ।”

उ० - प्रस्तुत गद्यांश का आशय यह है कि ऐसे वर्ग, समुदाय या जाति का उदधार नहीं हो सकता जो देश के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने वालों का तो मजाक उड़ाते हैं और अपने छोटे-से स्वार्थ के लिए स्वयं तक को बेच देते हैं। ऐसे लोगों में स्वाभिमान का नाम देवने को भी नहीं मिलता।

प्र०-४ पानवाले का रूक रेखाचित्र प्रस्तुत कीजिए

उ० - पान वाला रूक काला मोटा और खुशमिजाज व्यक्ति था। जब वह हँसता था तो उसका



भारी-भरकम पेट हिंसने लगता था।
अधिक पान खाने के कारण उसके दाँत
लाल और काले हो गए थे। वह मजाकिया
किंतु भावुक प्रवृत्ति का था।

प्र०-5 “वो लंगड़ा क्या जायगा फौज में। पागल
है पागल!”

कैप्टन के प्रति पानवाले की इस टिप्पणी
पर अपनी प्रतिक्रिया लिखिए।

ऊ- कैप्टन के प्रति पानवाले की टिप्पणी नीतिकता
से हटकर है। किसी भी व्यक्ति को यह
शोभा नहीं देता कि वह दूसरों की शारीरिक
दुर्बलता और असहायता का उपहास करे।
फिर कैप्टन जैसे अपंग देशभक्त व्यक्ति
का जो लोग इस तरह उपहास करते हैं
वो उसके साथ-साथ देश और सभी
वीरों का उपहास कर रहे हैं।

Good

Sumedh
16/2/19

